भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. +2234

मंगलवार, 01 जनवरी, 2019/11 पौष, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

गुजरात में पर्यटन अवसंरचना का विकास

+2234. श्री नारणभाई जे. राठवाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार ने गुजरात राज्य में पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्र स्तर पर कौन-से कार्य किये हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान इन कार्यों के लिए सरकार ने अब तक कितनी धनराशि आवंटित/उपयोग की है; और

(ग) उपरोक्त धनराशि से इन कार्यों में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है तथा तत्संबंधी स्थान-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) से (ग) : पर्यटन अवसंरचना का निष्पादन संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों की जिम्मेदारी है । पर्यटन मंत्रालय देश में तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और "थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास, स्वदेश दर्शन (एसडी)" की योजनाओं के अंतर्गत निधियों की उपलब्धता, पूर्व में जारी निधियों के लिए लंबित उपयोगिता प्रमाणपत्र का परिसमापन और योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुपालन की शर्त पर राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उपयुक्त डीपीआर प्रस्तुत किए जाने पर पर्यटक स्थलों के अवसंरचना विकास तथा सौंदर्यीकरण के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता देता है ।

इन योजनाओं के तहत गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवंटित और अब तक जारी की गई निधियों का ब्यौरा निम्नानुसार है :

(i) वर्ष 2016-17 में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विरासत परिपथ के रूप में 93.48 करोड़ रु. की लागत से गुजरात में "अहमदाबाद-राजकोट-पोरबंदर-बारदोली-डांडी के विकास" को अनुमोदित किया गया । इस परियोजना के लिए अभी तक 42.13 करोड़ रु. की राशि जारी की गई है ।

(ii) वर्ष 2016-17 में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विरासत परिपथ के रूप में 99.81 करोड़ रु. की लागत से "वाडनगर-मोधेरा तथा पाटन के विकास" को अनुमोदित किया गया । इस परियोजना के लिए अभी तक 79.85 करोड़ रु. की राशि जारी की गई है।

(iii) वर्ष 2017-18 में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत बौद्ध परिपथ के रूप में 35.99 करोड़ रु. की लागत से "बौद्ध परिपथ के विकास" को अनुमोदित किया गया । इस परियोजना के लिए अभी तक 7.20 करोड़ रु. की राशि जारी की गई है ।

(iv) वर्ष 2016-17 में प्रशाद योजना के अंतर्गत 26.23 करोड़ रु. की लागत से "द्वारका के विकास" को अनुमोदित किया गया । इसके लिए अभी तक 6.85 करोड़ रु. की राशि जारी की गई है ।

(v) वर्ष 2016-17 में प्रशाद योजना के अंतर्गत 37.44 करोड़ रु. की लागत से "सोमनाथ में तीर्थस्थल सुविधाओं के विकास" को अनुमोदित किया गया । इस परियोजना के लिए अभी तक 19.96 करोड़ रु. की राशि जारी की गई है ।

(vi) वर्ष 2018-19 में प्रशाद योजना के अंतर्गत 44.59 करोड़ रु. की लागत से "सोमनाथ में प्रोमेनेड के विकास" को अनुमोदित किया गया है । दिशानिर्देशों के अनुसार गुजरात की राज्य सरकार द्वारा निविदा की प्रक्रिया को पूरा किए जाने के बाद 30% की पहली किश्त जारी की जाएगी ।

उल्लिखित परियोजनाओं को 24 से 36 माह की अवधि में पूरा किया जाना है ।

****